Course code	Gadhya, Darshan & Vyakaran, Paper- I (Core Course 8A)	L	T	P	C
BSANL20Y201	गद्य, दर्शन एवं व्याकरण	3	2	0	5
Pre-requisite	Nil	Syllabus version			
		50 Marks			

Course Objectives:

- विषय की समग्र और व्यापक जानकारी प्रदान करना।
- छात्रों में संस्कृत साहित्य के प्रति रुचि जाग्रत करना।
- संस्कृत भाषा के अभ्यास की प्रवृत्ति को विकसित करना।
- भाषा में कुशलता एवं दक्षता को विकसित करना।
- गद्य, दर्शन एवं व्याकरण का ज्ञान प्रदान करना।

Course Outcome:

- संस्कृत भाषा की क्षमताओं एवं विशेषताओं का ज्ञान करना।
- संस्कृत भाषा दक्षता और उसकी सूक्ष्मता का ज्ञान प्रदान करना।
- गद्य, दर्शन एवं व्याकरण के समस्त तत्वों का ज्ञान प्रदान करना।

Student Learning Outcomes (SLO):

- छात्रों में भाषा कौशल का विकास होना।
- छात्रों में अनुकूलन की सोच विकसित होना।
- भाषा के अभ्यास के लिए नूतन तकनीक, कौशल विधियां एवं प्रयोगों का विकास होना।
- भाषा एवं विषयगत समस्याओं का निदान करने की क्षमता का विकास होना।
- गद्य, दर्शन एवं व्याकरण का अभ्यास होना।

Unit - 1 — **15**

- शुकनासोपदेश, बाणभट्ट विरचित कादम्बरी से (व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न) रचना एवं
- रचनाकार का परिचय

Unit - 2 — **15**

- आस्तिक एवं नास्तिक दर्शन (सांख्य, योग, न्याय, वैशेषिक, वेदांत तथा मीमांसा)
- चार्वाक, जैन एवं बौद्ध दर्शन का सामान्य परिचय अपेक्षित है।

Unit – 3 — **15**

- भारतीय संस्कृति – वर्णाश्रम व्यवस्था, पुरुषार्थ, संस्कार, भारतीय कला एवं तकनीकी विज्ञान।

Unit - 4 — **15**

- वाच्य परिवर्तन (कर्तृ, कर्म, एवं भाव वाच्य के नियम तथा उदाहरण अपेक्षित है।
- (संस्कृत में एक निबंध)

Unit – 5 — **15**

- समास – (लघुसिद्धांत कौमुदी से विग्रह एवं समास का ज्ञान अपेक्षित है। प्रमुख व्याकरणाचार्य परिचय पाणिनी कात्यायन, पतंजलि, भट्टोजिदीक्षित, जैनेन्द्र, हेमचंद्र)।

आनंद जैन

# Mode: Flipped Class Room, Case Discussion, Lectures		

Text Book(s) / Reference Books

1. लघु सिद्धान्त कौमुदी – भट्टोजि दीक्षित, भीमसेन शास्त्री, भैमी प्रकाशन, महेश सिंह कुशवाहा
2. वाक्यपदीयम् – भर्तृहरि, डॉ. सूर्यनारायण शुक्ल।
3. निरुक्त – डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, कपिलदेव शास्त्री साहित्य भण्डार।
4. भाषा विज्ञान – डॉ. भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद
5. तुलनात्मक भाषा शास्त्र – डॉ. मंगलदेव शास्त्री।
6. संस्कृत का भाषा शास्त्रीय अध्ययन – डॉ. भोलाशंकर व्यास, भारतीय ज्ञान पीठ काशी
7. भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र – डॉ. कपिल देव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन
8. संस्कृत व्याकरण शास्त्र दोनो भाग का इतिहास – पं. युधिष्ठिर मीमांसक
9. कातंत्र व्याकरण शर्ववर्मकृत भावसेन त्रैविद्य, त्रिलोक शोध संस्थान हस्तिनापुर मेरठ
10. जैन वाङ्मय का संस्कृत में योगदान : –डॉ. नेमीचन्द जैन, आरा (विहार)।
11. मनुस्मृति, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
12. सांख्यकारिका – उमाकान्त शुक्ल, ज्ञान प्रकाशन, मेरठ।
13. भारतीय दर्शन – डॉ. उमेश मिश्र, हिन्दी समिति, उ.प्र. सरकार
14. वेदांतसार – चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
15. जैन धर्म और दर्शन – मुनि प्रमाण सागर, भारतीय ज्ञान पीठ, नई दिल्ली।

Course code	Mahakavya & Natak Paper- II, (Core Course 8B)	L	T	P	C
BSANL20Y202	महाकाव्य एवं नाटक	3	2	0	5
Pre-requisite	Nil	Syllabus version			
		50 Marks			

Course Objectives:

- विषय की समग्र और व्यापक जानकारी प्रदान करना।
- छात्रों में संस्कृत साहित्य के प्रति रुचि जाग्रत करना।
- संस्कृत भाषा के अभ्यास की प्रवृत्ति को विकसित करना।
- भाषा में कुशलता एवं दक्षता को विकसित करना।
- महाकाव्य एवं नाटक के तत्वों की जानकारी प्रदान करना।

Course Outcome:

- संस्कृत भाषा की क्षमताओं एवं विशेषताओं का ज्ञान करना।
- संस्कृत भाषा दक्षता और उसकी सूक्ष्मता का ज्ञान प्रदान करना।
- महाकाव्य एवं नाटक विधा में पारंगत करना।

Student Learning Outcomes (SLO):

- छात्रों में भाषा कौशल का विकास होना।
- छात्रों में अनुकूलन की सोच विकसित होना।
- भाषा के अभ्यास के लिए नूतन तकनीक, कौशल विधियां एवं प्रयोगों का विकास होना।
- भाषा एवं विषयगत समस्याओं का निदान करने की क्षमता का विकास होना।
- महाकाव्य एवं नाटक के तत्वों का सतत अभ्यास होना।

Unit - 1	15

- कुमारसम्भव का परिचय,
- कुमारसम्भव प्रथम सर्ग – 1–30 तक की व्याख्या एवं समीक्षा।

Unit - 2	15

- नाट्यशास्त्र (प्रथम अध्याय) नाट्योत्पत्ति एवं नाट्य प्रयोजन से संबंधित पाठ्यांशों की व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न।

Unit – 3	15

- नाट्यशास्त्र के पारिभाषिक शब्द। (प्रस्तावना, नान्दी, सूत्रधार, विष्कम्भक, प्रवेशक, विदूषक, प्रकाश, स्वगत एवं भरतवाक्य।

Unit - 4	15

- अभिज्ञानशाकुन्तलम् – प्रथम, चतुर्थ एवं पंचम अंक के पाठ्यांशों की व्याख्या एवं समीक्षात्मक प्रश्न।

Unit - 5	15

- संस्कृत के प्रतिनिधि नाट्यकार व उनकी कृतियां।
  (भास, कालिदास, शूद्रक, विशाखादत्त, श्रीहर्ष, भवभूति एवं भट्ट नारायण)

आनंद ... Ashishraj

# Mode: Flipped Class Room, Case Discussion, Lectures			

Text Book(s) / Reference Books

1. अभिज्ञानशाकुन्तलम्, डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, रामनारायण लाल विजयकुमार, इलाहाबाद।
2. कालिदास ग्रन्थावली, पं. सीताराम चतुर्वेदी, उत्तरप्रदेश संस्कृत संस्थान (लखनऊ)
3. महाकविकालिदास, रमाशंकर तिवारी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
4. संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास, आचार्य राधावल्लभ त्रिपाठी, वि.वि. प्रकाशन, वाराणसी।
5. संस्कृत सुकवि समीक्षा, बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।
6. प्राचीन भारतीय साहित्य की सांस्कृतिक भूमिका, प्रो. रामजी उपाध्याय, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।
7. संस्कृत शास्त्रों का इतिहास, बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।
8. नाट्य शास्त्र, भरत मुनि, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।